प्रारंभिक परीक्षा

नयिंग जलविद्युत परियोजना (NAYING HYDROELECTRIC PROJECT)

संदर्भ

अरुणाचल प्रदेश में नयिंग जलविद्युत परियोजना को केंद्र से पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई है।

नयिंग जलविद्युत परियोजना के बारे में

- **स्थान:** अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग जिले में सियोम (योमगो) नदी पर प्रस्तावित।
- **परियोजना का प्रकार:** रन-ऑफ-द-रिवर जलविद्युत परियोजना।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत उत्तर पूर्वी इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (NEEPCO)।

सियोम नदी

- **प्रकार:** ब्रह्मपुत्र नदी के दाहिने तट की एक सहायक नदी।
- **स्थान:** अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग जिले से होकर बहती है।
- **संबद्ध संरक्षित क्षेत्र:** मौलिंग राष्ट्रीय उद्यान इसके पूर्वी तट पर स्थित है।

लीजियोनेयर्स रोग (LEGIONNAIRES' DISEASE)

संदर्भ

न्यूयॉर्क शहर में हाल ही में फैले लीजियोनेयर्स रोग के प्रकोप के परिणामस्वरूप कई संक्रमण और मौतें हुई हैं।

लीजियोनेयर्स रोग के बारे में

- **प्रकृति:** लीजियोनेला बैक्टीरिया के कारण होने वाले जीवाणु निमोनिया (बैक्टीरियल निमोनिया) का एक गंभीर रूप।
- **संबंधित रोग:** लीजियोनेला पोंटिएक बुखार (पोंटिएक फीवर) का भी कारण बनता है, जो बिना निमोनिया वाली फ्लू जैसी हल्की बीमारी है।
- **संचरण:** दूषित मानव निर्मित जल प्रणालियों जैसे कूलिंग टावर, हॉट टब, फव्वारे और बड़ी इमारतों की प्लंबिंग प्रणालियों से उत्पन्न एयरोसोल (हवा में मौजूद बारीक बूंदों) को सांस के जरिए अंदर लेने से फैलता है, लेकिन यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में प्रसारित नहीं होता है।
- **वैक्सीन की स्थिति:** वर्तमान में कोई भी स्वीकृत वैक्सीन उपलब्ध नहीं है।

पल्लीकरनई मार्शलैंड (दलदली भूमि)

संदर्भ

पल्लीकरनई मार्शलैंड, जो कि एक रामसर स्थल है, तेजी से हो रहे शहरीकरण, अतिक्रमण और अंधाधुंध कचरा डंपिंग के कारण लगातार सिकुड़ रहा है।

पल्लीकरनई मार्शलैंड के बारे में

- **स्थान:** तमिलनाडु में स्थित आंशिक रूप से खारी आर्द्रभूमि वाला एक मीठे पानी का दलदल, जिसे रामसर स्थल के रूप में नामित किया गया है।
- **जलवैज्ञानिक भूमिका:** चेन्नई और चेंगलपट्टू जिलों के लिए प्राकृतिक बाढ़ बफर (रक्षक) के रूप में कार्य करता है।
- **अपवाह (ड्रेनेज):** ओक्कियम मडवु और कोवलम क्रीक के माध्यम से बंगाल की खाड़ी से जुड़ा हुआ है।
- **प्रमुख प्रजातियां:** रसेल वाइपर, ग्लॉसी आइबिस, ग्रे-हेडेड लैपविंग और फेज़ेंट-टेल्ड जकाना का प्राकृतिक आवास।

समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (DGMA)

संदर्भ

समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (DGMA) ने जहाज मालिकों को सलाह दी है कि वे अगले आदेश तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों को तैनात करने से बचें।

समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (DGMA) के बारे में

- **प्रकृति:** भारत में मर्चेंट शिपिंग के प्रशासन और विनियमन के लिए जिम्मेदार सर्वोच्च समुद्री प्राधिकरण।
- **स्थापित:** 1949।
- **मंत्रालय:** पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय।
- **मुख्यालय:** मुंबई।
- **कार्य:** राष्ट्रीय पोत परिवहन नीतियों को लागू करता है और मर्चेंट शिपिंग कानूनों का प्रशासन करता है।

नरवर किला

संदर्भ

ऐतिहासिक नरवर किले से हाल ही में सिंधिया-युग की एक तोप चोरी हो गई है।

नरवर किले के बारे में

- **स्थान:** मध्य प्रदेश में विंध्य पर्वतमाला की चोटी पर स्थित।
- **समीपवर्ती संरक्षित क्षेत्र:** माधव राष्ट्रीय उद्यान इसके पश्चिम में स्थित है।

- **प्राचीन संबंध:** नरवर शहर (पूर्व में नलपुर) पारंपरिक रूप से महाभारत के राजा नल से जुड़ा हुआ है।
- **निर्माण:** 10वीं शताब्दी में कछवाहा राजपूतों द्वारा निर्मित।

इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (EGRS)

संदर्भ

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (EGRs) की शुरुआत की है।

इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (EGRs) के बारे में

- **स्वरूप:** SEBI द्वारा रेगुलेटेड एक्सचेंज-ट्रेडेड सिक्योरिटीज, जो रेगुलेटेड वॉल्ट में रखे गए फिजिकल गोल्ड की ओनरशिप को दर्शाती हैं और डीमैट अकाउंट में इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखी जाती हैं।
- **रिडेम्पशन:** तय प्रक्रिया के ज़रिए इन्हें फिजिकल गोल्ड में बदला जा सकता है।
- **सेटलमेंट साइकिल:** इसमें T+1 सेटलमेंट मैकेनिज्म का पालन किया जाता है।
- **पात्रता:** खुदरा निवेशकों, जौहरियों, सर्राफा डीलरों, रिफाइनरों और संस्थागत निवेशकों द्वारा कारोबार किया जा सकता है।
- **मूल्यवर्ग:** 10 मिलीग्राम, 100 मिलीग्राम, 1 ग्राम, 10 ग्राम, 100 ग्राम और 1 किलोग्राम की इकाइयों में पेश किया गया।

कोल्लेरू वन्यजीव अभयारण्य

संदर्भ

केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (CEC) ने आंध्र प्रदेश सरकार को कोल्लेरू वन्यजीव अभयारण्य में अवैध मछली तालाबों और पर्यावरणीय क्षरण की समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया है।

कोल्लेरू वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- **स्थान:** आंध्र प्रदेश में स्थित, इस अभयारण्य में कोल्लेरू झील (एक रामसर स्थल) के आसपास की आर्द्रभूमि और दलदल शामिल हैं।
- **जलविज्ञान (हाइड्रोलॉजी):** बुडामेरु और तम्मीलेरु नदियों द्वारा पोषित तथा कई जलमार्गों के माध्यम से कृष्णा और गोदावरी नदी प्रणालियों से जुड़ा हुआ है।
- **प्रमुख पक्षी:** इनमें लिटिल एग्रेट, कैटल एग्रेट, पोंड हेरॉन, ग्रे हेरॉन, नाइट हेरॉन, पाइड किंगफिशर, स्मॉल ब्लू किंगफिशर, ब्लैक-कैप्ड किंगफिशर और रीफ हेरॉन शामिल हैं।

मंगल पांडे

संदर्भ

प्रधानमंत्री ने मंगल पांडे को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मंगल पांडे के बारे में

- **पृष्ठभूमि:** ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री के एक भारतीय सिपाही।
- **विद्रोह:** उन्होंने गाय और सुअर की चर्बी युक्त माने जाने वाले चिकनाई वाले एनफील्ड राइफल कारतूसों के विरोध में ब्रिटिश अधिकारियों पर हमला किया।
- **प्रभाव:** उनके कार्यों ने 1857 के विद्रोह को जन्म दिया, जिसे भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में भी जाना जाता है।
- **विरासत:** इस विद्रोह ने ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन को समाप्त कर दिया और भारत सरकार अधिनियम, 1858 के अधिनियमन का मार्ग प्रशस्त किया।

अरल सागर

संदर्भ

हाल ही में हुए एक अध्ययन में पाया गया है कि सूखते हुए अरल सागर ने अपनी अनावृत (सूखी हुई) झील की तलहटी से भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जित किया है, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि हुई है।

अरल सागर के बारे में

- **स्थान:** मध्य एशिया में कजाकिस्तान (उत्तर) और उज्बेकिस्तान (दक्षिण) द्वारा साझा की जाने वाली एक एंडोरेइक (अंतर्वाही) खारे पानी की झील।
- **निर्माण:** मुख्य रूप से अमु दरिया और सिर दरिया नदियों द्वारा पोषित।
- **अराल्कुम मरुस्थल:** झील की अनावृत तलहटी का एक बड़ा हिस्सा अराल्कुम मरुस्थल में बदल गया है।
- **जलवायु प्रभाव:** अनावृत तलछट (सेडिमेंट्स) ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का स्रोत बन गए हैं।

माउंट ओलंपस(MOUNT OLYMPUS)

संदर्भ

माउंट ओलंपस को यूनेस्को (UNESCO) के मिश्रित विश्व धरोहर स्थल के रूप में अंकित करने के लिए ग्रीस के नामांकन पर विश्व धरोहर समिति द्वारा विचार किया जा रहा है।

माउंट ओलंपस के बारे में

- **स्थान:** ग्रीस का सबसे ऊँचा पर्वत, माउंट ओलंपस एजियन सागर के पास उत्तरी ग्रीस में स्थित है, जिसकी मटिकास चोटी (2,918 मीटर) मैसेडोनिया और थेसाली की सीमा के साथ देश का सबसे ऊँचा बिंदु बनाती है।
- **धार्मिक विरासत:** इसमें ज़ीउस (Zeus) का एक प्राचीन अभयारण्य, पैगंबर एलियास का चैपल (दुनिया के सबसे ऊंचे रूढ़िवादी चैपलों में से एक), सेंट डायोनिसियस का मठ और सेंट डायोनिसियस की पवित्र गुफा शामिल है।
- **संरक्षित स्थिति:** ग्रीस का पहला राष्ट्रीय उद्यान और एक यूनेस्को बायोस्फीयर रिज़र्व (जीवमंडल निचय)।
- **भूविज्ञान:** मुख्य रूप से चूना पत्थर और डोलोमाइट से निर्मित, जिसे अफ्रीकी और यूरेशियन विवर्तनिक प्लेटों (टेक्टोनिक प्लेट्स) के टकराव द्वारा ऊपर उठाया गया है।

मुख्य परीक्षा

बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत का वस्त्र उद्योग

संदर्भ

360 वन कैपिटल (360 ONE Capital) की एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, भारत का वस्त्र उद्योग 'चाइना प्लस वन' (China+1) सोर्सिंग, आपूर्ति-श्रृंखला विविधीकरण और विस्तारित होते व्यापार समझौतों से प्रेरित होकर विकास के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। हालाँकि, इस अवसर को निरंतर निर्यात वृद्धि में बदलने के लिए प्रतिस्पर्धात्मकता, उत्पादकता और विनिर्माण पैमाने में संरचनात्मक परिवर्तन की आवश्यकता होगी।

छोटे वस्त्र पारिस्थितिक तंत्र होने के बावजूद बांग्लादेश और वियतनाम ने परिधान निर्यात में भारत को पीछे क्यों छोड़ दिया है?

- **श्रम लागत और उत्पादकता लाभ:** प्रतिस्पर्धी मजदूरी, लचीले श्रम नियम और उच्च शॉप-फ्लोर (कारखाना स्तर की) उत्पादकता इकाई श्रम लागत को कम करते हैं, जिससे परिधान विनिर्माण भारत की तुलना में विश्व स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन जाता है।
    - उदाहरण के लिए, बांग्लादेश का न्यूनतम वेतन भारत के संगठित क्षेत्र के वेतन का लगभग एक-तिहाई है, जबकि वियतनाम ने लगातार उच्च विनिर्माण श्रम उत्पादकता वृद्धि दर्ज की है।
- **अधिमान्य व्यापार पहुँच:** शुल्क-मुक्त पहुँच और उच्च-गुणवत्ता वाले मुक्त व्यापार समझौते (FTAs) टैरिफ लागत को कम करते हैं, जिससे प्रमुख उपभोक्ता बाजारों में निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होता है।
    - उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ (EU) में बांग्लादेश की ईबीए (EBA - एवरीथिंग बट आर्म्स) पहुँच और वियतनाम का ईवीएफ़टीए (EVFTA) भारतीय परिधान निर्यातों की तुलना में टैरिफ लाभ प्रदान करते हैं।
- **एमएमएफ (MMF)-उन्मुख उत्पादन:** वियतनाम और बांग्लादेश ने मानव निर्मित फाइबर (MMF) परिधानों की बढ़ती वैश्विक मांग के साथ अपने उत्पादन को संरेखित किया, जबकि भारत के कपास-केंद्रित पारिस्थितिकी तंत्र ने, जिसे पिछली नीतिगत खामियों/पूर्वाग्रहों से बल मिला, एमएमएफ विस्तार को धीमा कर दिया।
    - उदाहरण के लिए, वैश्विक परिधान व्यापार में एमएमएफ की हिस्सेदारी 70% से अधिक है, लेकिन भारत के परिधान निर्यात में इसका हिस्सा अपेक्षाकृत कम है।
- **लीड-टाइम (वितरण समय) अनुकूलन:** कुशल रसद (लॉजिस्टिक्स), तीव्र सीमा शुल्क (कस्टम) निकासी और सुव्यवस्थित निर्यात प्रक्रियाएं त्वरित डिलीवरी को सक्षम बनाती हैं, जो फास्ट-फैशन आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक निर्णायक लाभ है।
    - उदाहरण के लिए, वियतनाम का कम पोर्ट-टू-शिपमेंट टर्नअराउंड ज़ारा (Zara) और एचएंडएम (H&M) जैसे खरीदारों के 4-6 सप्ताह के पुनःपूर्ति चक्र को पूरा करने में मदद करता है।

- **एफडीआई-नेतृत्व वाला एकीकृत विनिर्माण पैमाना:** निर्यात-उन्मुख प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) ने बड़े, एकीकृत परिधान समूहों (क्लस्टर्स) का निर्माण किया है जो लगातार गुणवत्ता और कम इकाई लागत के साथ उच्च मात्रा के ऑर्डर देने में सक्षम हैं, जो भारत के खंडित एमएसएमई (MSME) बहुल उद्योग के विपरीत है।

फास्ट फैशन ने वैश्विक वस्त्र उद्योग की प्रतिस्पर्धी गतिशीलता को कैसे बदल दिया है?

- **उत्पाद चक्रों का संकुचन:** फास्ट फैशन ने 'डिज़ाइन-टू-शेल्फ' (डिज़ाइन से लेकर बिक्री के लिए उपलब्ध होने तक) की समय-सीमा को मौसमी संग्रहों से घटाकर हफ्तों तक कर दिया है, जिससे गति और चुस्त (एजाइल) उत्पादन पारंपरिक पैमाने या कच्चे माल की उपलब्धता से अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं।
    - उदाहरण के लिए, ज़ारा पारंपरिक छह महीने के मौसमी चक्र की तुलना में तीन सप्ताह से भी कम समय में स्टोर्स में नए डिज़ाइन पेश करता है।
- **समय-संवेदनशील सोर्सिंग की ओर बदलाव:** वैश्विक खरीदार तेजी से लागत के साथ लीड-टाइम (वितरण समय) और आपूर्ति-श्रृंखला विश्वसनीयता को जोड़ रहे हैं, और ऐसे आपूर्तिकर्ताओं को प्राथमिकता दे रहे हैं जो अपने सोर्सिंग भूगोल के भीतर तेजी से ऑर्डर की पुनःपूर्ति कर सकते हैं।
    - उदाहरण के लिए, ज़ारा तेजी से पुनःपूर्ति के लिए स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को जैसे नियर-शोर (समीपवर्ती) आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर है, जबकि ब्रांड वियतनाम और बांग्लादेश से बड़ी मात्रा में संग्रह प्राप्त करते हैं।
- **क्षेत्रीय उत्पादन नेटवर्क का उदय:** फास्ट फैशन ने क्षेत्रीय मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत किया है, जहां इनपुट की कुशल सीमा-पार सोर्सिंग और निर्बाध लॉजिस्टिक्स पूर्ण घरेलू एकीकरण से अधिक मायने रखते हैं।
    - उदाहरण के लिए, वियतनाम अधिकांश कपड़े दक्षिणी चीन से आयात करता है, लेकिन कुशल लॉजिस्टिक्स और सीमा शुल्क कनेक्टिविटी के माध्यम से तेजी से निर्यात प्राप्त करता है।
- **एक प्रतिस्पर्धी अनिवार्यता के रूप में स्थिरता:** तीव्र उत्पाद टर्नओवर ने वस्त्र अपशिष्ट, कार्बन उत्सर्जन और विनियामक जांच को बढ़ा दिया है, जिससे पर्यावरणीय अनुपालन बाजार पहुंच का एक प्रमुख निर्धारक बन गया है।
    - उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ के स्थिरता नियम और घाना जैसे देशों में बढ़ता वस्त्र अपशिष्ट सोर्सिंग निर्णयों को नया आकार दे रहे हैं।
- **वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं का पुनर्गठन:** फास्ट फैशन ने प्रशासन को खरीदार-संचालित मूल्य श्रृंखलाओं की ओर स्थानांतरित कर दिया है, जबकि विश्वसनीय और अनुपालन करने वाले निर्माताओं को दीर्घकालिक सोर्सिंग संबंधों से पुरस्कृत किया है।
    - उदाहरण के लिए, बड़े बांग्लादेशी और वियतनामी आपूर्तिकर्ता कम मार्जिन के बावजूद गुणवत्ता, अनुपालन और वितरण मानकों को लगातार पूरा करके बार-बार अनुबंध हासिल करते हैं।

जलवायु परिवर्तन से वस्त्र उद्योग की भविष्य की मांग को किस प्रकार नया आकार मिलने की संभावना है?

- **टिकाऊ फाइबर मिश्रण की ओर बदलाव:** कपास उत्पादन पर जलवायु का दबाव पुनर्चक्रित (रीसाइकल्ड), पुनर्जीवित (रिजनरेटेड) और अन्य टिकाऊ फाइबर की मांग बढ़ा रहा है जो जलवायु-संवेदनशील कच्चे माल पर निर्भरता को कम करते हैं।

- **जलवायु-अनुकूल सोर्सिंग को प्राथमिकता:** बढ़ती जलवायु बाधाएं खरीदारों की ऐसे क्षेत्रों में स्थित आपूर्तिकर्ताओं के प्रति प्राथमिकता बढ़ा रही हैं जहां बाढ़, लू (हीटवेव) और अन्य जलवायु जोखिमों का प्रभाव कम हो, जिससे अधिक विश्वसनीय डिलीवरी सुनिश्चित हो सके।
    - उदाहरण के लिए, बांग्लादेश में बार-बार आने वाली बाढ़ ने वैश्विक ब्रांडों को जलवायु-संबंधी आपूर्ति-श्रृंखला जोखिमों को कम करने के लिए कई उत्पादन स्थानों पर सोर्सिंग में विविधता लाने के लिए प्रोत्साहित किया है।
- **बाजार पहुंच आवश्यकता के रूप में स्थिरता:** जलवायु-संबंधी नियम प्रीमियम निर्यात बाजारों तक पहुँचने के लिए टिकाऊ उत्पादन को एक पूर्वशर्त बना रहे हैं, जिससे मांग अनुपालन करने वाले निर्माताओं की ओर स्थानांतरित हो रही है।
    - उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ का 'टिकाऊ उत्पादों के लिए इकोडिज़ाइन विनियमन' (ESPR) और 'डिजिटल उत्पाद पासपोर्ट' आवश्यकताएं वस्त्र क्षेत्र में सोर्सिंग निर्णयों को नया रूप दे रही हैं।
- **चक्रीय (सर्कुलर) फैशन का उदय:** बढ़ती जलवायु जागरूकता टिकाऊ, मरम्मत योग्य, पुन: प्रयोज्य और पुनर्चक्रण योग्य परिधानों की मांग बढ़ा रही है, जिससे रैखिक फास्ट-फैशन खपत पर निर्भरता कम हो रही है।
    - उदाहरण के लिए, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में पुनर्विक्रय, किराये और मरम्मत-आधारित परिधान बाजार तेजी से विस्तार कर रहे हैं।
- **जल-कुशल प्रसंस्करण की मांग:** बढ़ता जल संकट उन निर्माताओं के लिए खरीदारों की प्राथमिकता बढ़ा रहा है जो जल-कुशल रंगाई, पुनर्चक्रण और क्लोज्ड-लूप प्रसंस्करण तकनीकों को अपनाते हैं।
    - उदाहरण के लिए, तिरुपुर जैसे वस्त्र समूहों (क्लस्टर्स) में पानी की कमी ने उत्पादन को बाधित किया है, जिससे जीरो-लिक्विड-डिस्चार्ज (शून्य-तरल-निर्वहन) और जल-पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेजी आई है।

वैश्विक वस्त्र उद्योग में अपने ऐतिहासिक नेतृत्व को फिर से हासिल करने के लिए भारत को किस संरचनात्मक परिवर्तन की आवश्यकता है?

- **एक एमएमएफ-नेतृत्व वाले और भविष्य के लिए तैयार वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण:** भारत को विलोमित शुल्क संरचनाओं (Inverted duty structures) को समाप्त करना चाहिए, सिंथेटिक कच्चे माल तक सस्ती पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए, और वैश्विक मांग के अनुरूप मानव निर्मित, पुनर्चक्रित और तकनीकी वस्त्र क्षमता का विस्तार करना चाहिए।
- **खंडित उत्पादन से स्केलेबल (विस्तार योग्य) विनिर्माण नेटवर्क में संक्रमण:** भारत को उत्पादन चपलता का त्याग किए बिना पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं (इकोनॉमीज़ ऑफ़ स्केल) को प्राप्त करने के लिए कंसोर्टियम-नेतृत्व वाली सोर्सिंग, एकीकृत समूहों और सामान्य बुनियादी ढांचे के साथ एमएसएमई लचीलेपन को पूरक बनाना चाहिए।
    - उदाहरण के लिए, भारत वियतनाम के क्लस्टर-आधारित विनिर्माण मॉडल का अनुकरण कर सकता है, जहां एकीकृत उत्पादन नेटवर्क बड़े निर्यात आदेशों को सक्षम करते हैं जबकि विशेष फर्में उसी मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनी रहती हैं।
- **श्रम बाजार पारिस्थितिक तंत्र को सुदृढ़ बनाना:** श्रम-संहिता कार्यान्वयन से परे, भारत को बड़े पैमाने पर औपचारिक परिधान विनिर्माण का समर्थन करने के लिए प्रवासी श्रमिक आवास, पोर्टेबल सामाजिक सुरक्षा, कौशल विकास और कार्यबल प्रतिधारण (रिटेंशन) में सुधार करना चाहिए।

- उदाहरण के लिए, तिरुपुर जैसे केंद्रों में मौसमी श्रम की कमी विनियामक सरलीकरण से परे श्रम-बाजार सुधारों की आवश्यकता को उजागर करती है।

- **व्यापार पहुंच को निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में बदलना:** हाल के एफटीए को गुणवत्ता मानकों, ईएसजी (ESG) अनुपालन और आपूर्ति-श्रृंखला तत्परता में सुधार द्वारा पूरक किया जाना चाहिए ताकि भारतीय फर्में अधिमान्य बाजार पहुंच का पूरी तरह से उपयोग कर सकें।
    - उदाहरण के लिए, भारत-यूके एफटीए और संपन्न हुई भारत-यूरोपीय संघ एफटीए वार्ता नए अवसर पैदा करती हैं जिनके लिए निर्यात लाभ प्राप्त करने के लिए उद्योग-व्यापी उन्नयन की आवश्यकता होती है।
- **लॉजिस्टिक्स आधुनिकीकरण के माध्यम से गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना:** भारत को अंतर्देशीय लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना चाहिए, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी में सुधार करना चाहिए और वैश्विक फास्ट-फैशन आपूर्ति श्रृंखलाओं से मेल खाने के लिए निर्यात टर्नअराउंड समय को कम करना चाहिए।